तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं.156/2025)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 31 दिसंबर, 2025

(www.trai.gov.in)

30 नवंबर, 2025 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलेस*	वायरलाइन	कुल (वायरलेस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**958.54**	**45.11**	**1003.65**
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**650.22**	**41.94**	**692.16**
नवंबर, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.39	0.16	2.55
मासिक वृद्धि दर	0.37%	0.38%	0.37%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**537.26**	**5.11**	**542.37**
नवंबर, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.47	0.14	0.60
मासिक वृद्धि दर	0.09%	2.72%	0.11%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1187.48**	**47.05**	**1234.53**
नवंबर, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	2.86	0.30	3.16
मासिक वृद्धि दर	0.24%	0.63%	0.26%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@	**83.46%**	**3.31%**	**86.77%**
शहरी दूरसंचार-घनत्व@	127.19%	8.20%	135.39%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@	58.94%	0.56%	59.50%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.76%	89.14%	56.07%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.24%	10.86%	43.93%

- नवंबर 2025 के माह में 14.69 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।

- नवंबर 2025 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1090.91 मिलियन थी।

नोट: -

* वायरलेस में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) सदस्यता भी शामिल है।

@ इस प्रेस विज्ञप्ति में 30 नवंबर 2025 तक टेली-घनत्व की गणना जुलाई 2020 में प्रकाशित 'भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट 2011 - 2036' से जनसंख्या के अनुमान के आधार पर की गई है। पिछले महीने का 'टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन डेटा' नवंबर 2019 में प्रकाशित 'भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट 2011 - 2036' से जनसंख्या के अनुमान के आधार पर प्रकाशित किया गया था।

VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।

- इस प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

I. ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस

नवंबर 2025 महीने में 1,488 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 999.81 मिलियन से बढ़कर 1003.65 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 0.38% प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:-

नवंबर, 2025 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत)
		अक्टूबर-25	नवंबर-25	
वायर्ड सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस** (डी.एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	44.82	45.11	0.64%
वायरलेस सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस** (एफ.डब्ल्यू.ए.-5जी, वाई-फाई, वाई-मैक्स, रेडियो/यूबीआर, सैटेलाइट)	13.18	14.06	6.69%
	मोबाइल वायरलेस एक्सेस (3जी, 4जी, 5जी)	941.82	944.48	0.28%
कुल		**999.81**	**1003.65**	**0.38%**

30 नवंबर, 2025 के अंत तक सबसे बड़े पांच ब्रॉडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	510.52
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	314.26
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	127.75
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	33.85
5.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.35
पांच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**98.51%**

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

दिनांक 30 नवंबर, 2025 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलेस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

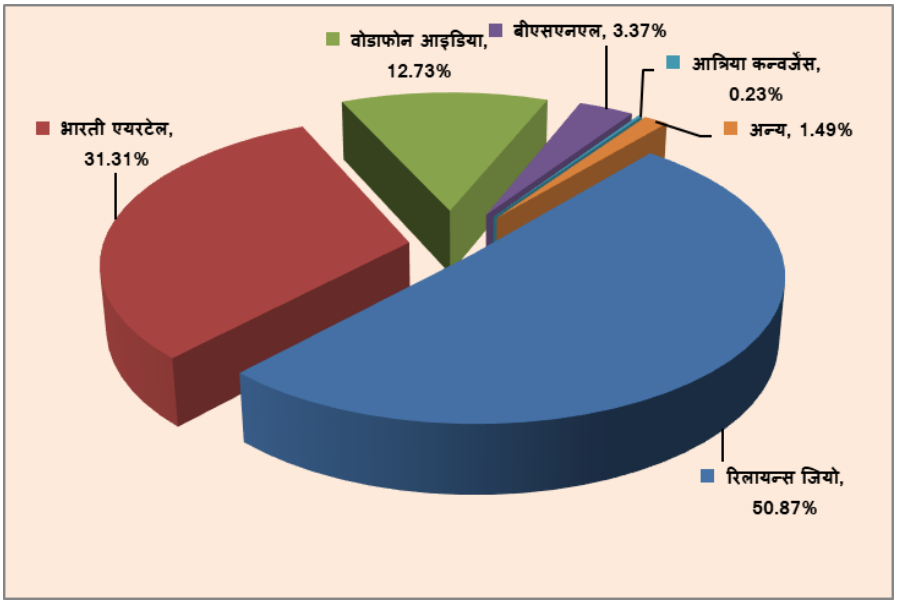

- **दिनांक 30 नवंबर, 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	13.59
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	10.05
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.45
4.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.35
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.44
पांच सबसे बड़े फिक्स्ड वायर्ड एक्सेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**70.68%**

- **दिनांक 30 नवंबर, 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस और मोबाइल) सेवा प्रदाता**

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	496.92
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	304.21
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	127.74
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	29.4
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.12
पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस और मोबाइल) सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		**99.99%**

II. वायरलाइन टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- वायरलाइन सब्सक्राइबरों की कुल संख्या 31 अक्टूबर 2025 को 46.75 मिलियन से बढ़कर 30 नवंबर, 2025 को 47.05 मिलियन हो गई। इस माह में 0.63% की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में 0.30 मिलियन की वृद्धि दर्ज की गई।

- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व अक्टूबर 2025 के अंत में 3.29% से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत में 3.31% हो गई। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 8.20% और 0.56% था। नवंबर 2025 के अंत में कुल वायरलाइन सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 89.14% और 10.86% थी।

- 30 नवंबर 2025 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 19.96% हिस्सेदारी थी। वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

दिनांक 30 नवंबर, 2025 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

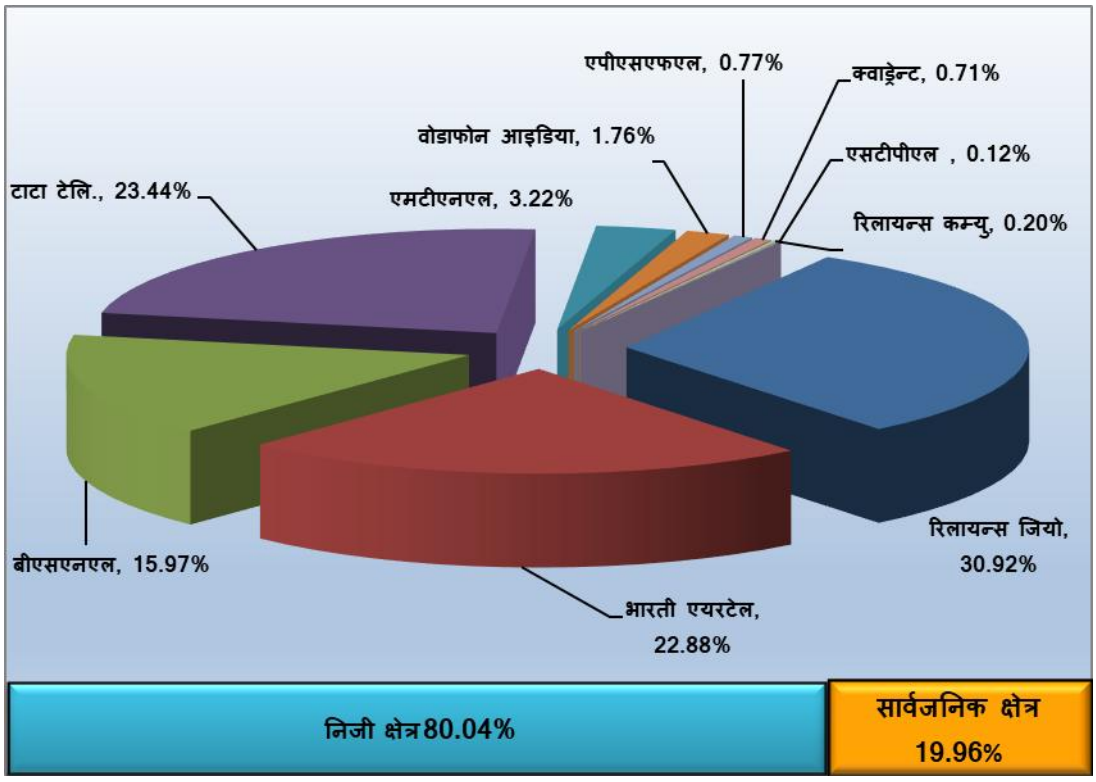

नवंबर, 2025 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए सब्सक्राइबर

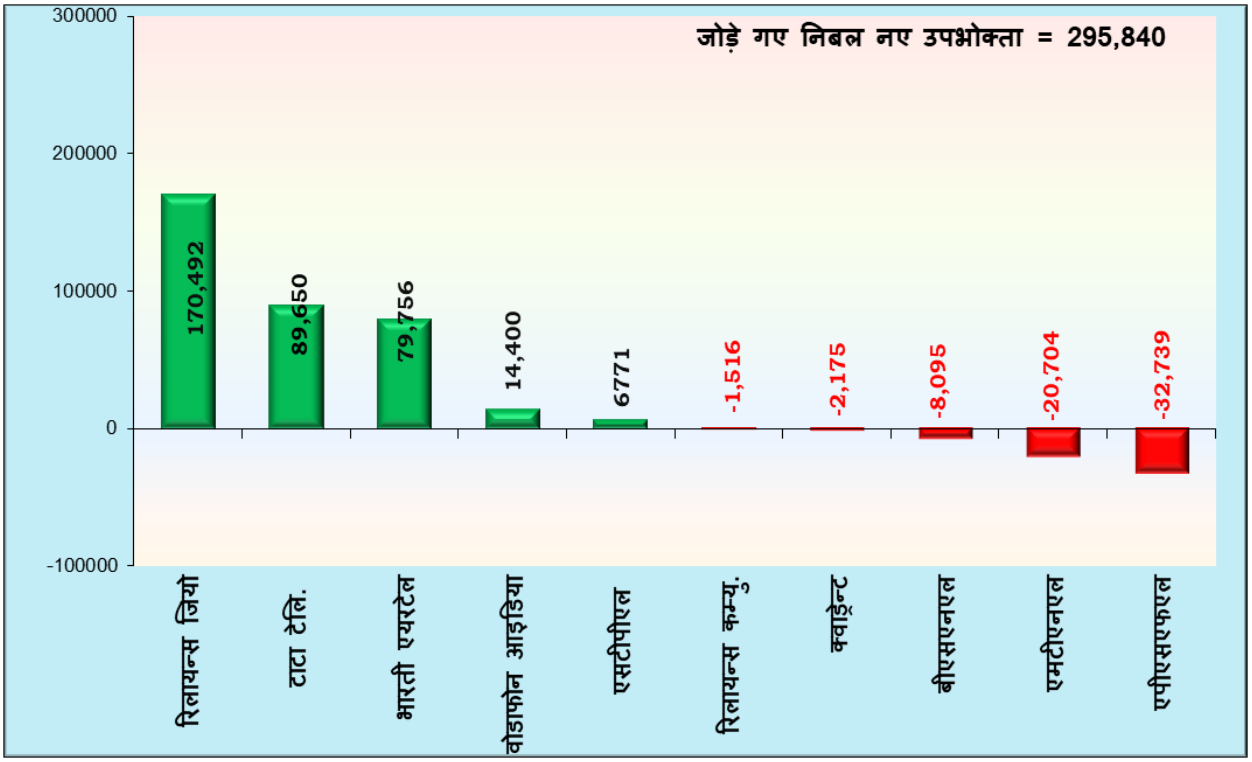

III. वायरलेस टेलीफोन (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल + एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या अक्टूबर 2025 को 1,184.62 मिलियन से बढ़कर नवंबर 2025 को 1,187.48 मिलियन हो गई, जिससे 0.24% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन 31 अक्टूबर 2025 को 647.82 मिलियन से बढ़कर, 30 नवंबर 2025 को 650.22 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन 536.80 मिलियन से बढ़कर 537.26 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.37% और 0.09% थी।

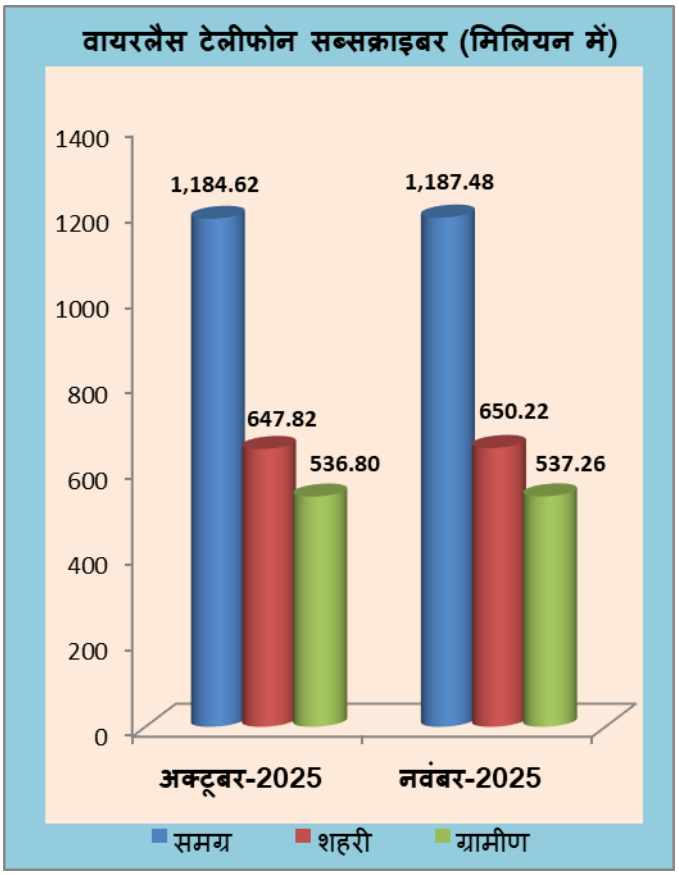

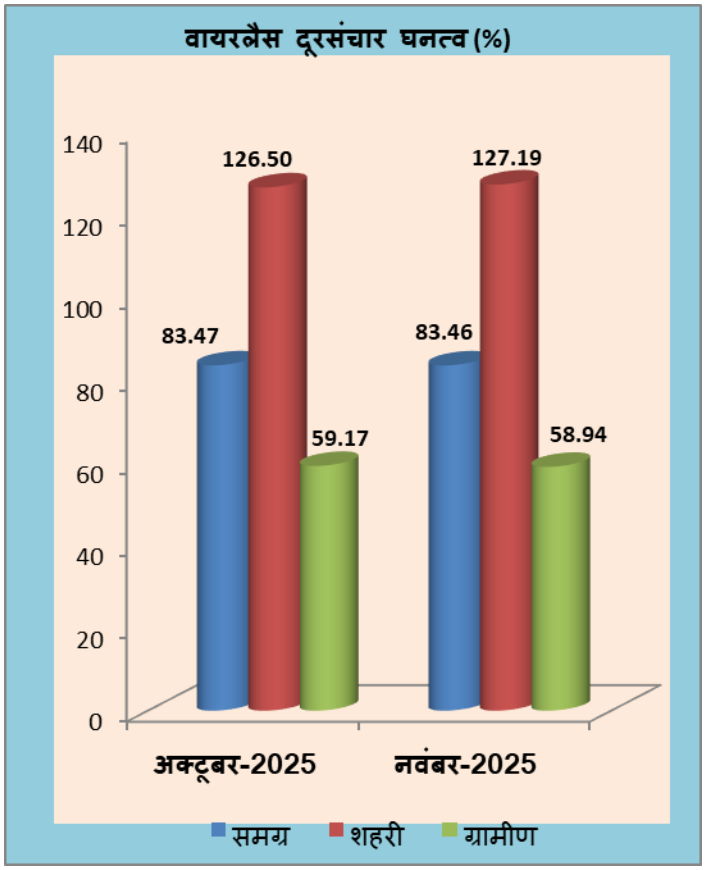

- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व अक्टूबर 2025 के अंत में 83.47% से घटकर नवंबर 2025 के अंत में 83.46% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व अक्टूबर 2025 के अंत में 126.50% से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत में 127.19% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 59.17% से घटकर 58.94% हो गया। नवंबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.76% और 45.24% थी।

वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों और वायरलेस (एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(ए) वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस

• कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या अक्टूबर 2025 के अंत में 1,171.87 मिलियन से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत में 1,173.88 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.17% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन अक्टूबर 2025 के अंत में 639.99 मिलियन से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत में 641.83 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन 531.88 मिलियन से बढ़कर 532.06 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.29% और 0.03% थी।

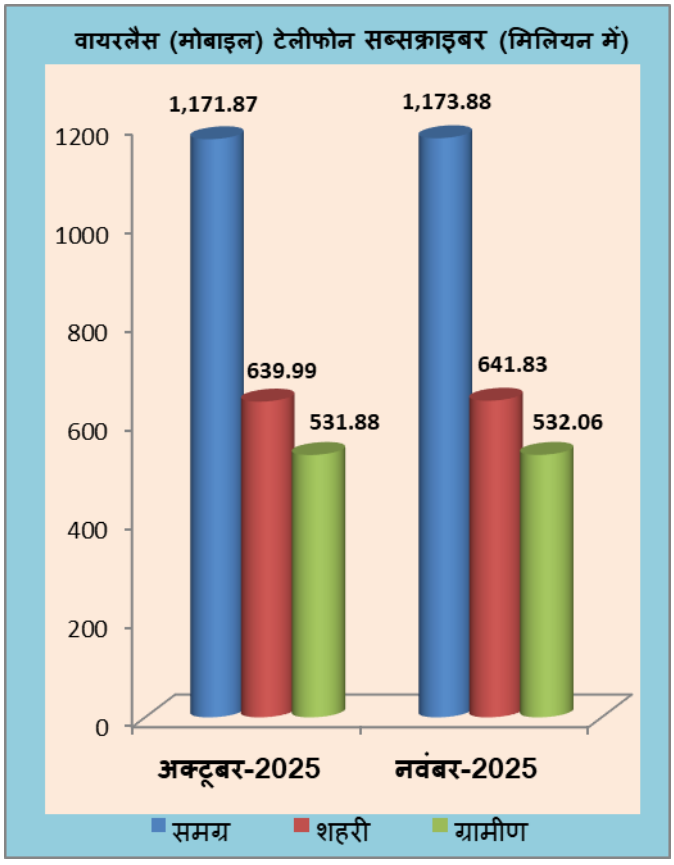

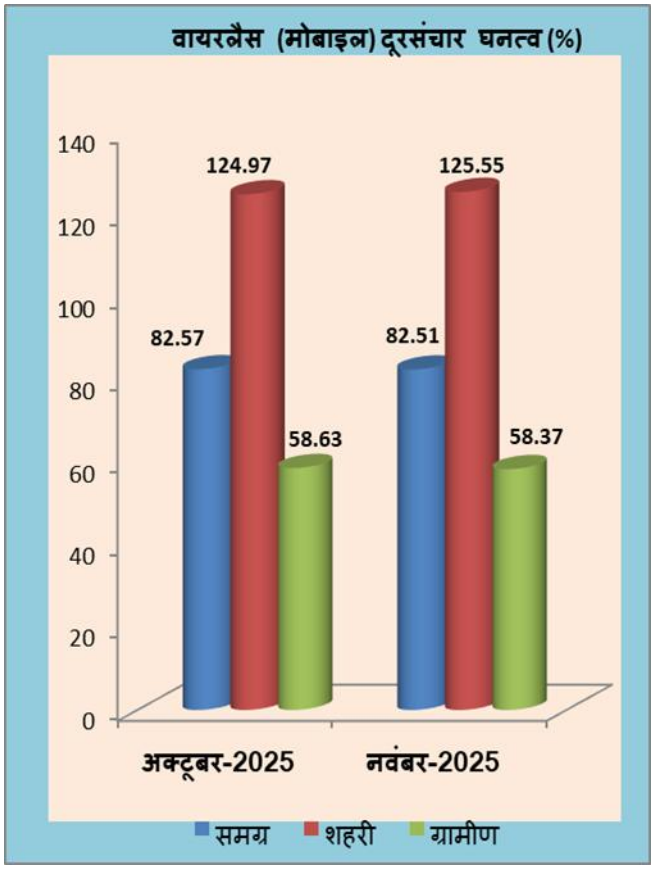

•भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व अक्टूबर 2025 के अंत में 82.57% से घटकर नवंबर 2025 के अंत में 82.51% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व अक्टूबर 2025 के अंत में 124.97% से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत में 125.55% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व में 58.63 से घटकर 58.37% हो गया। नवंबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.68% और 45.32% थी।

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 30 नवंबर 2025 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.06% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास 7.94% बाजार हिस्सेदारी थी।

- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः -

30 नवंबर, 2025 तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

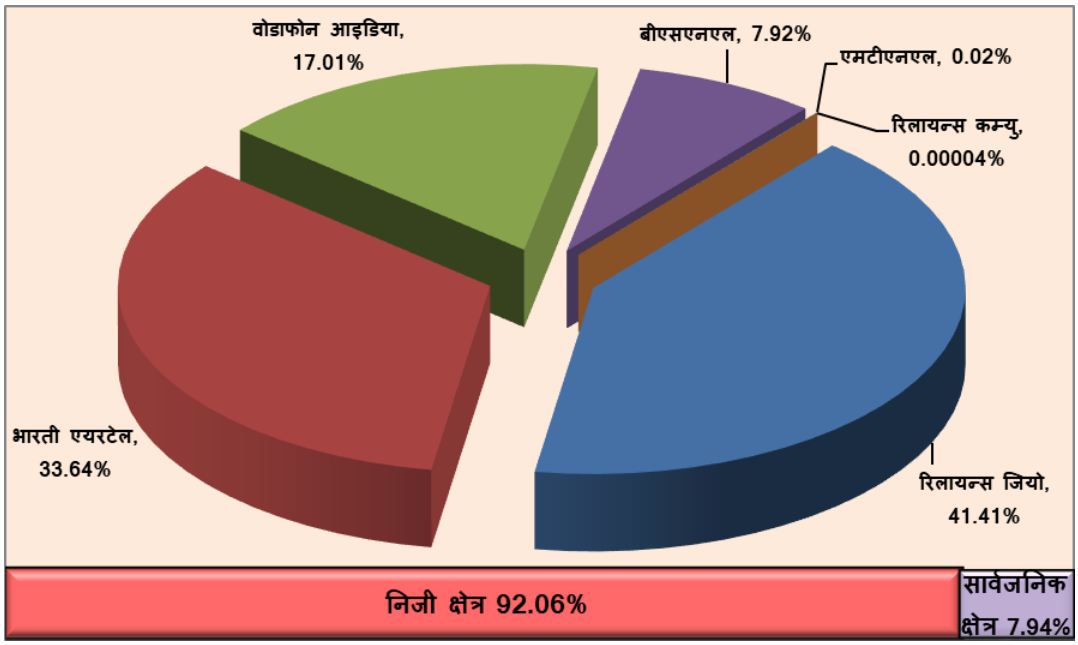

30 नवंबर, 2025 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

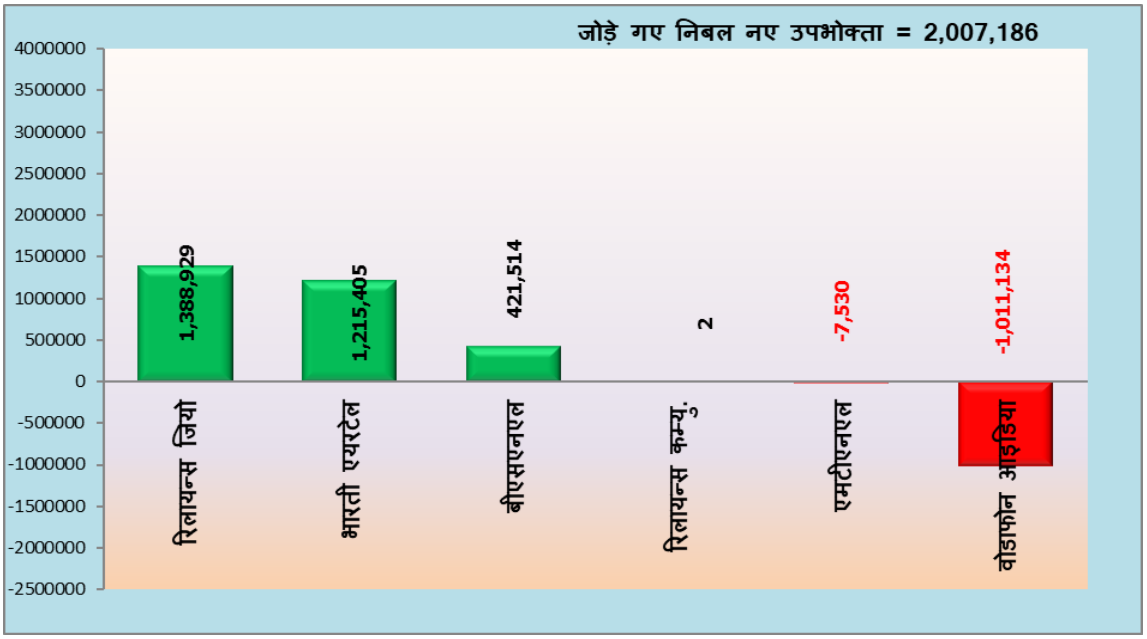

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों में वृद्धि

नवंबर, 2025 माह में वायरलेस सब्सक्राइबरों की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर

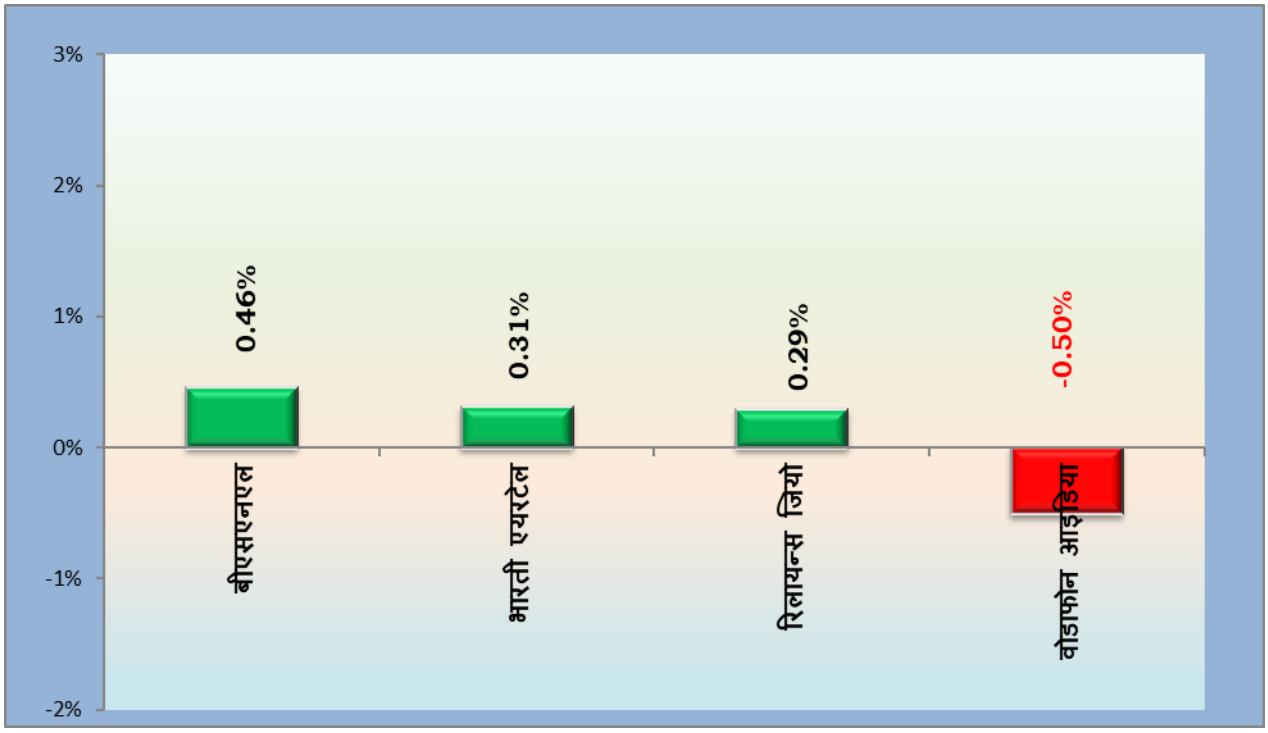

नवंबर, 2025 माह के दौरान लाइसेंस्ड सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर

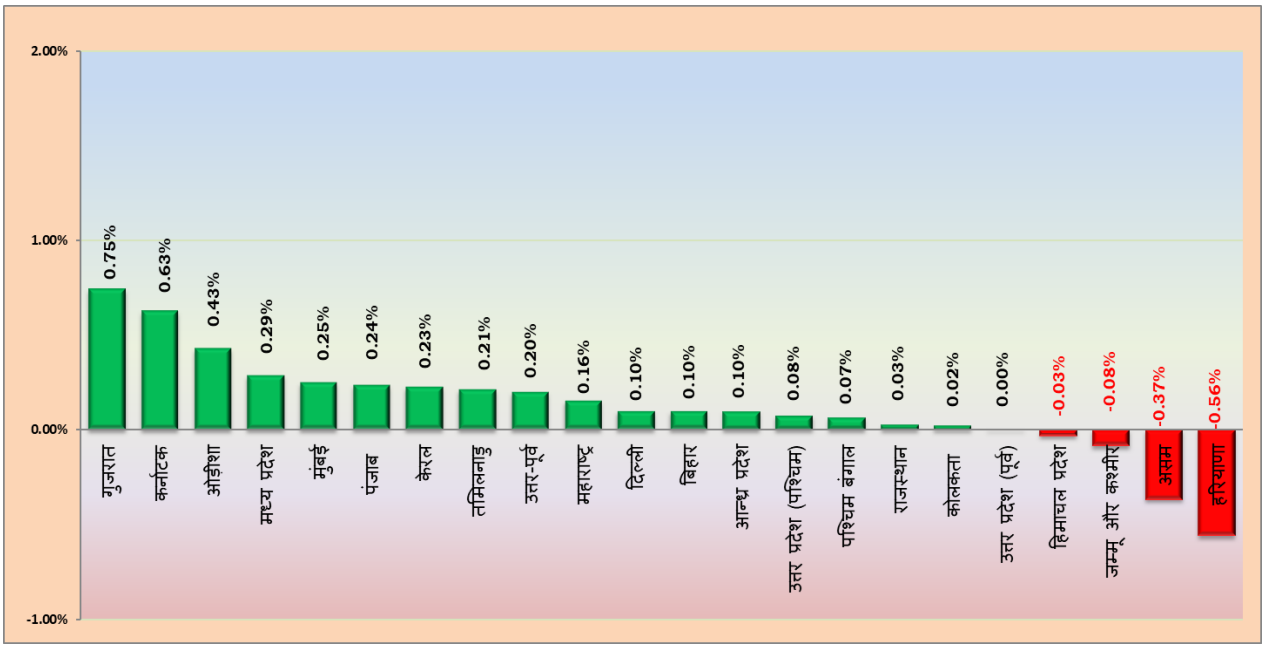

- नवंबर 2025 के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, असम और हरियाणा सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी एल एस ए में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई।

(बी) वायरलेस (एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- वर्तमान में फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) आधारित सेवाएं दो श्रेणियों के तहत प्रदान की जा रही है

  (a) 5जी एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए 5जी रेडियो एक्सेस तकनीकि का उपयोग करके; और

  (b) यूबीआर एफडब्ल्यूए i.e. एफडब्ल्यूए बिना लाइसेंस वाले रेडियो बैंड (यूबीआर) तकनीक का उपयोग करके.

- अक्टूबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 9.91 मिलियन से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत में 10.41 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्राइबरों की संख्या क्रमशः 5.32 मिलियन और 5.09 मिलियन थी। नवंबर 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 51.11% और 48.89% थी।
- एल एस ए वार वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकडे **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।
- रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड ने अगस्त 2025 से यूबीआर एफडब्ल्यूए ग्राहकों की संख्या की रिपोर्ट करना शुरू कर दिया है।
- नवंबर 2025 के अंत तक यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्रिप्शन की संख्या 3.19 मिलियन थी, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्रिप्शन क्रमशः 2.26 मिलियन और 0.93 मिलियन थे। नवंबर 2025 के अंत तक कुल वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी क्रमशः 70.95% और 29.05% थी।
- एल एस ए वार वायरलेस (यूबीआर एफडब्ल्यूए) ग्राहक आधार की जानकारी **अनुलग्नक-6** पर उपलब्ध है।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या अक्टूबर 2025 के अंत में 98.87 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2025 के अंत में 103.48 मिलियन हो गई।

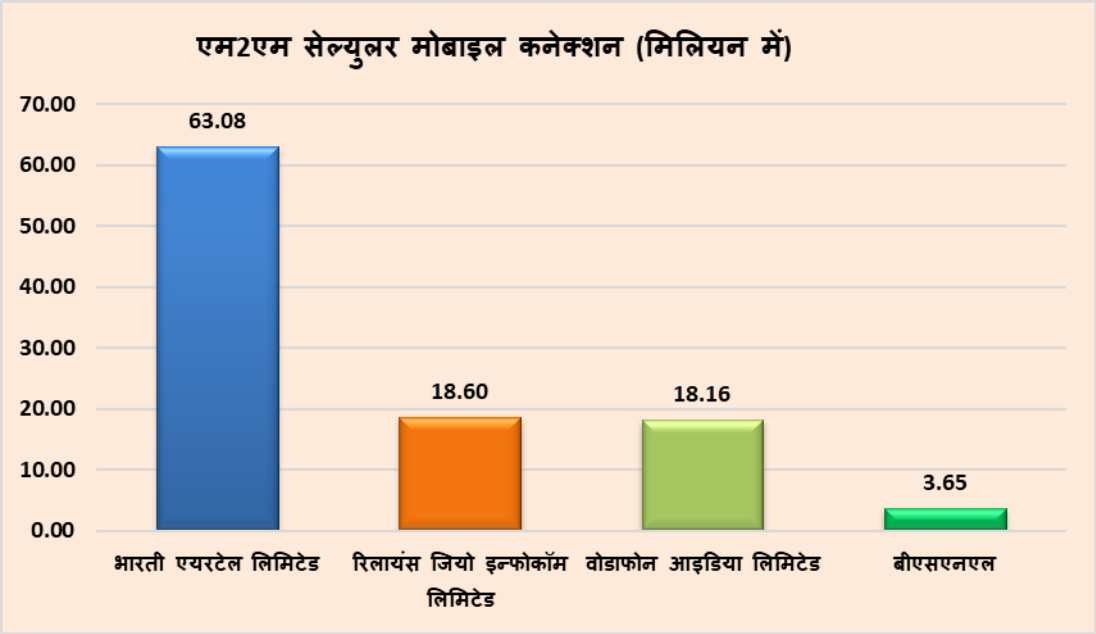

भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 63.08% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 60.96 मिलियन हैं, इसके बाद वोडाफोन रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड, आइडिया लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 17.97%, 17.55% और 3.52% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

- अक्टूबर 2025 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 1,231.38 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2025 के अंत तक 1,234.53 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.26% प्रतिशत दर्ज की गयी। अक्टूबर 2025 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबरों की संख्या 689.61 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2025 के अंत तक 692.16 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबरों की संख्या 541.77 मिलियन से बढ़कर 542.37 मिलियन हो गई। नवंबर 2025 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबरों की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.37% तथा 0.11% रही।

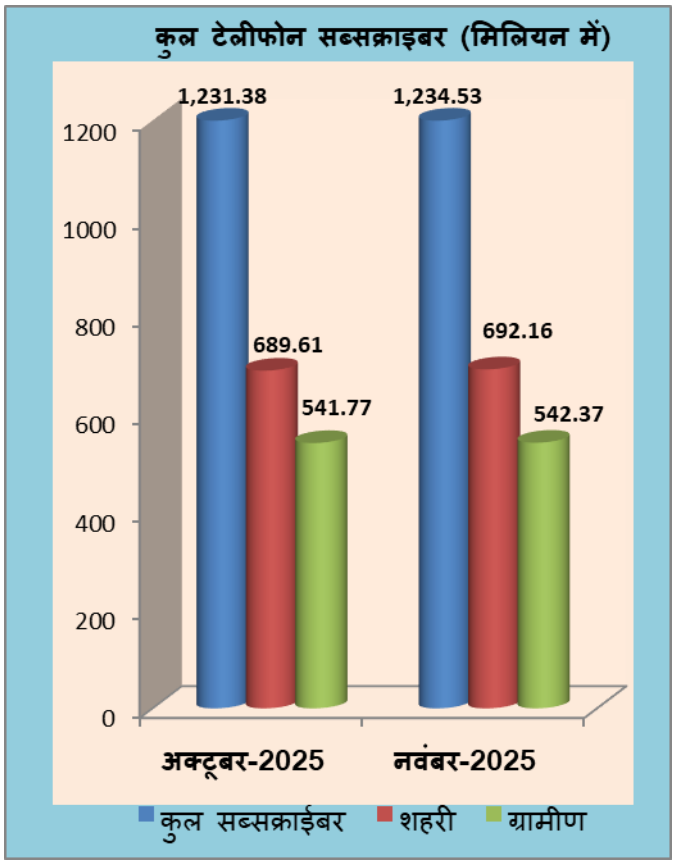

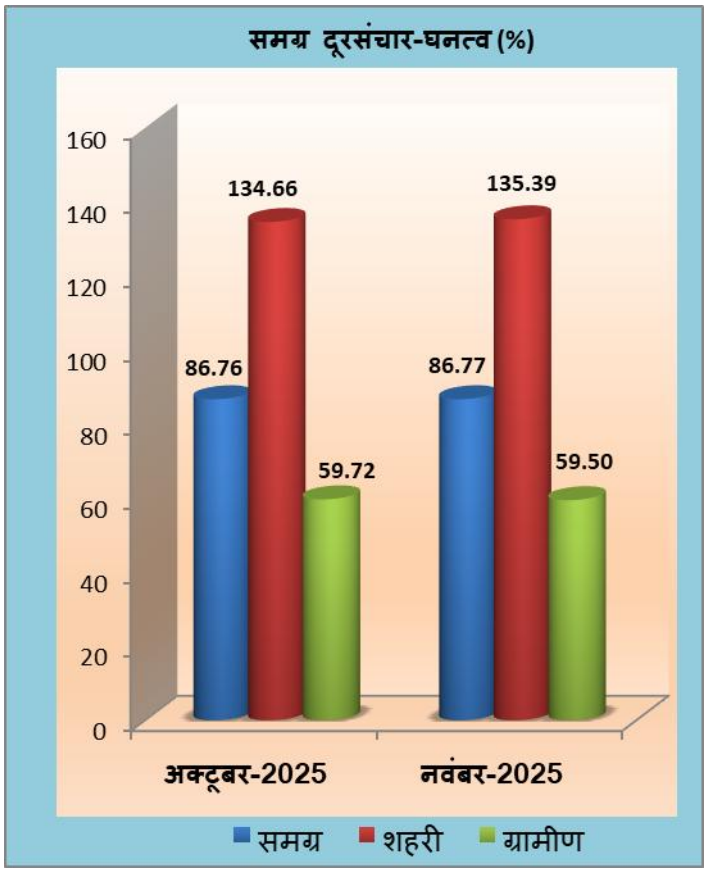

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व अक्टूबर 2025 के अंत तक 86.76% से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत तक 86.77% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व अक्टूबर 2025 के अंत तक 134.66% से बढ़कर नवंबर 2025 के अंत तक 135.39% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व 59.72% से घटकर 59.50% हो गया। नवंबर 2025 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 56.07% तथा 43.93% थी।

दिनांक 30 नवंबर, 2025 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

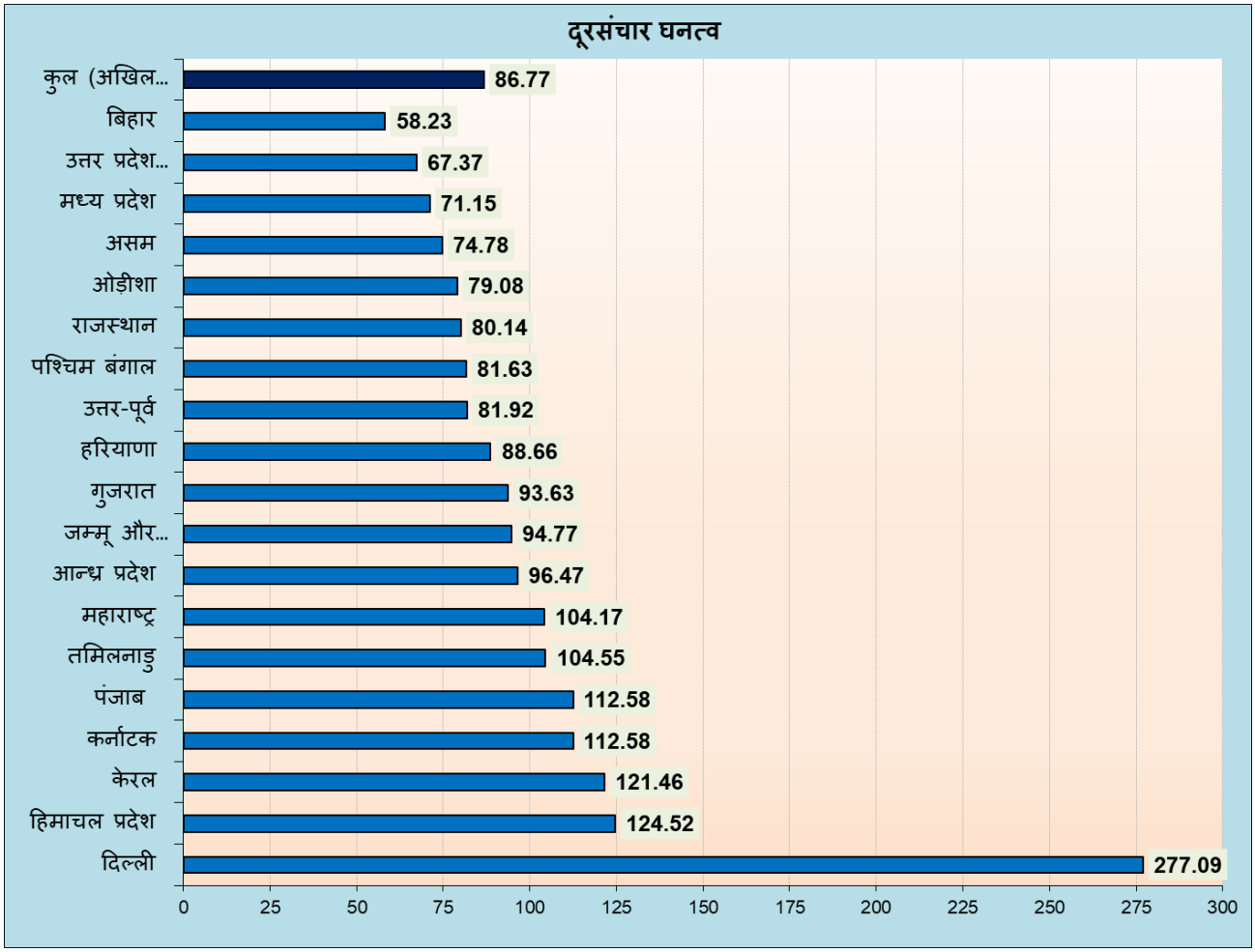

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि नवंबर 2025 के अंत में आठ एल एस ए में टेली-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली एल एस ए में अधिकतम टेली-घनत्व 277.09% रहा और इसी दौरान बिहार एल एस ए में न्यूनतम टेली-घनत्व 58.23% रहा।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा जुलाई 2020 में प्रकाशित "तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट" के आकड़ो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

नवंबर 2025 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	नवंबर, 2025 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		दिनांक 30 नवंबर, 2025 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	117762	1622368	20068870	396121176
श्रेणी – ख	105843	718076	11399249	479573275
श्रेणी - ग	45445	304595	3465299	197760639
महानगर	26790	215273	12116774	114026119
अखिल भारतीय	**295840**	**2860312**	**47050192**	**1187481209**

*वायरलेस में एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

नवंबर, 2025 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अक्टूबर, 2025 से नवंबर, 2025)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (नवंबर, 2024 से नवंबर, 2025)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी – क	0.59%	0.41%	35.22%	3.45%
श्रेणी – ख	0.94%	0.15%	5.25%	3.15%
श्रेणी - ग	1.33%	0.15%	6.06%	5.15%
महानगर	0.22%	0.19%	26.72%	1.14%
अखिल भारतीय	**0.63%**	**0.24%**	**22.20%**	**3.38%**

*वायरलेस में एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं।

- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में नवंबर 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर भी, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।
- वायरलाइन सेगमेंट में नवंबर 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है। वार्षिक आधार पर भी, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

- नवंबर 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या 1173.88 मिलियन में से 1090.91 मिलियन वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 92.93% प्रतिशत था।

- नवंबर 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

नवंबर, 2025 माह के दौरान शीर्ष चार टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

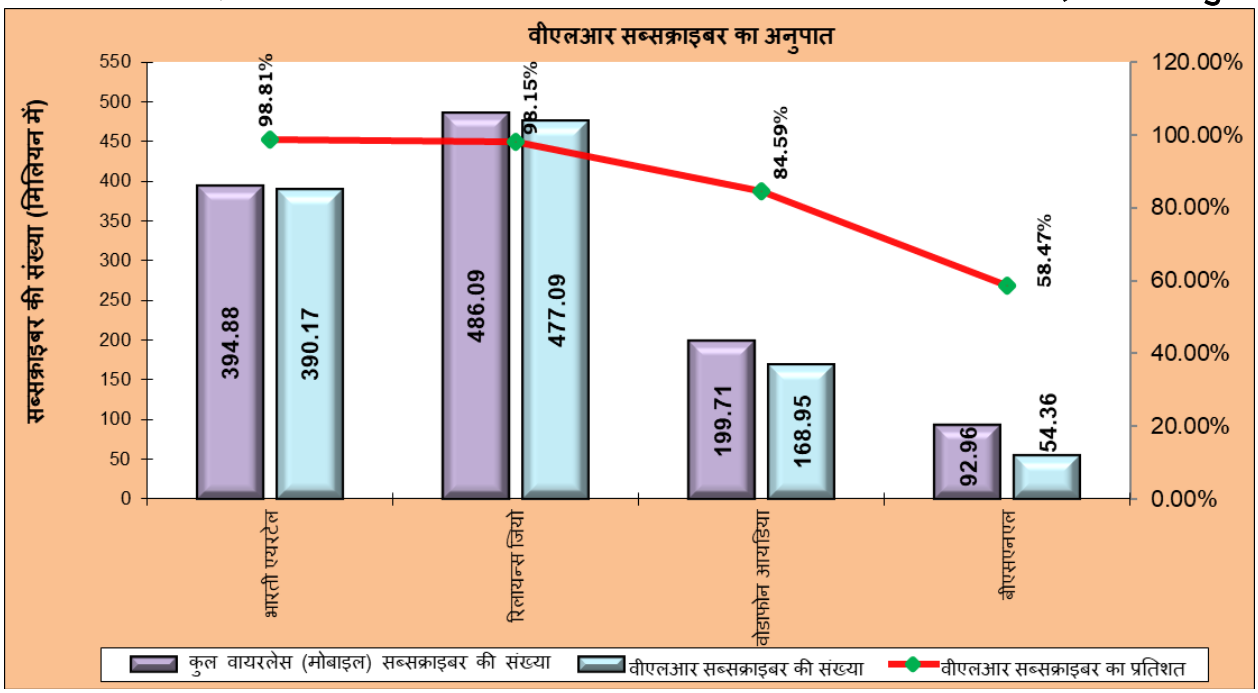

- नवंबर 2025 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 98.81% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान बीएसएनएल के वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 58.47% अर्थात् न्यूनतम रहा।

नवंबर 2025 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

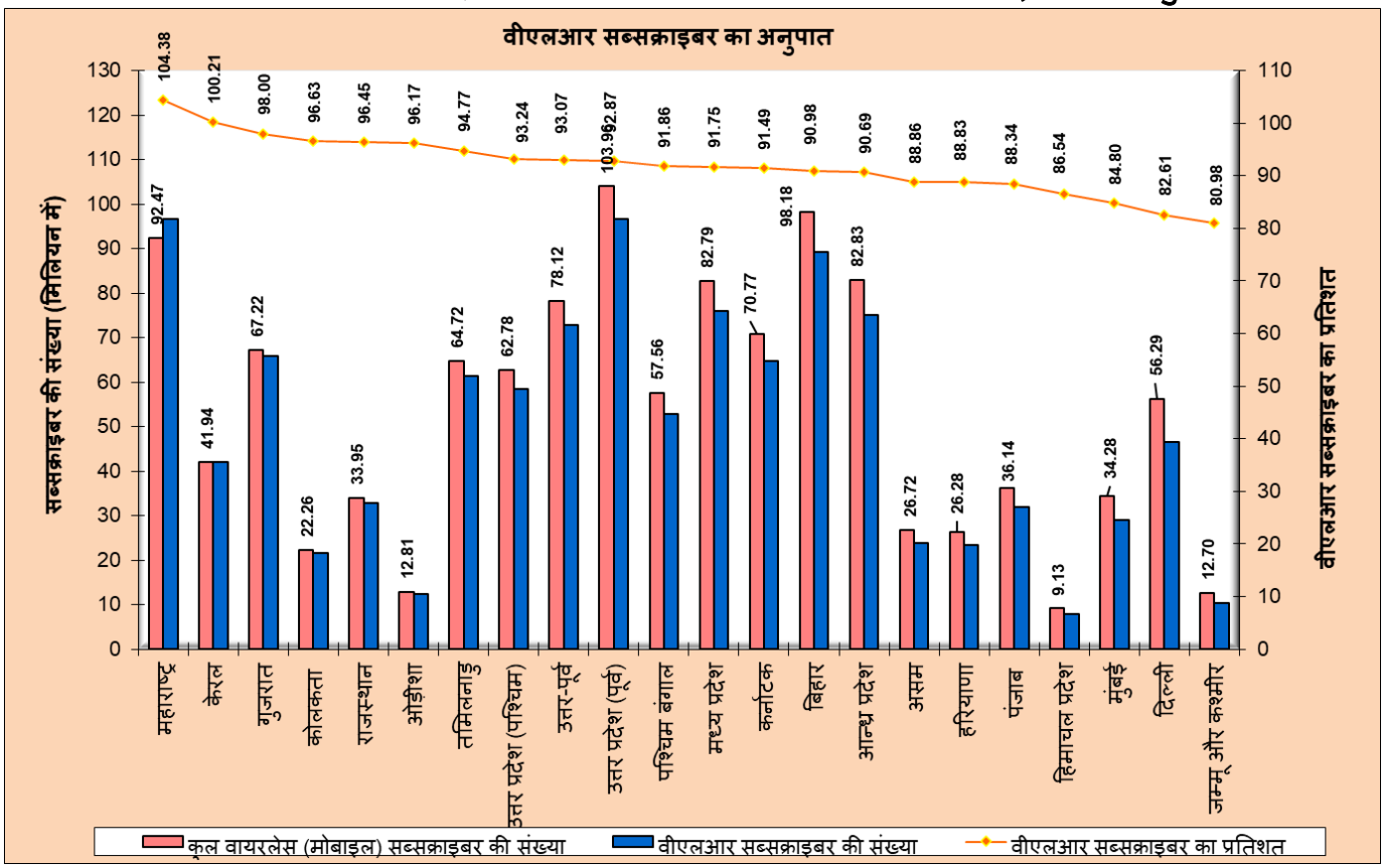

VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- भारत में, अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर एक एल एस ए से दूसरे एल एस ए में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- नवंबर 2025 के माह में 14.69 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 14.69 मिलियन अनुरोधों में से 7.94 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 6.74 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व एल एस ए में (1.97 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद उत्तर प्रदेश-पश्चिम एल एस ए में (1.35 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेश सेवा क्षेत्र में (1.40 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद बिहार सेवा क्षेत्र में (1.33 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

लाइसेंस्ड सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			जोन-II		
सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)		सेवा क्षेत्र	महीने में पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)	
	अक्टूबर, 2025	नवंबर, 2025		अक्टूबर, 2025	नवंबर, 2025
दिल्ली	0.66	0.66	आन्ध्र प्रदेश	0.69	0.68
गुजरात	0.98	1.00	असम	0.12	0.12
हरियाणा	0.43	0.41	बिहार	1.27	1.33
हिमाचल प्रदेश	0.05	0.06	कर्नाटक	0.62	0.61
जम्मू और कश्मीर	0.06	0.07	केरल	0.26	0.26
महाराष्ट्र	1.08	1.06	कोलकाता	0.19	0.19
मुंबई	0.27	0.25	मध्य प्रदेश	1.40	1.40
पंजाब	0.38	0.35	उत्तर-पूर्व	0.03	0.03
राजस्थान	0.78	0.78	ओड़ीशा	0.25	0.25
उत्तर प्रदेश-पूर्व	2.24	1.97	तमिलनाडु	0.57	0.62
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	1.47	1.35	पश्चिम बंगाल	1.24	1.26
कुल	**8.40**	**7.94**	**कुल**	**6.65**	**6.74**
कुल (जोन-I + जोन-II)				15.05	14.69

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-II),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
नई दिल्ली-110029.
फोन-011-20907758
ई-मेलः advmn@trai.gov.in

SHEO BHADRA SINGH
Digitally signed by SHEO BHADRA SINGH
Date: 2025.12.31 18:30:01 +05'30'

(एस. बी. सिंह)
प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक-1

एल एस ए	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि.		क्वाड्रेन्ट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	
आन्ध्र प्रदेश	654,039	654,074	-	-	927,026	937,510	14,901	14,509	1,045,861	1,056,329	-	-	81,760	75,630	1,871,489	1,904,317	-	-	395,757	363,018	**4,990,833**	**5,005,387**	**14554**
असम	101,399	100,213	-	-	73,070	73,170	-	-	-	-	-	-	2,110	2,080	235,418	238,455	-	-	-	-	**411,997**	**413,918**	**1921**
बिहार	170,752	167,968	-	-	403,706	410,259	9	9	60,362	65,863	-	-	4,679	4,807	712,170	727,126	-	-	-	-	**1,351,678**	**1,376,032**	**24354**
दिल्ली	-	-	711,904	705,372	2,397,308	2,411,974	12,108	12,072	969,460	966,877	-	-	90,742	90,882	1,128,843	1,122,566	-	-	-	-	**5,310,365**	**5,309,743**	**-622**
गुजरात	460,823	459,726	-	-	338,409	343,944	2,383	2,378	748,396	754,782	-	-	106,381	117,516	863,339	890,059	-	-	-	-	**2,519,731**	**2,568,405**	**48674**
हरियाणा	371,108	376,395	-	-	223,181	226,276	-	-	172,421	170,840	-	-	360	360	172,565	173,822	-	-	-	-	**939,635**	**947,693**	**8058**
हिमाचल प्रदेश	97,822	98,290	-	-	25,016	25,380	-	-	4,138	4,038	-	-	60	60	76,613	77,497	-	-	-	-	**203,649**	**205,265**	**1616**
जम्मू और कश्मीर	49,078	48,661	-	-	146,008	148,804	-	-	-	-	-	-	30	30	261,035	264,832	-	-	-	-	**456,151**	**462,327**	**6176**
कर्नाटक	663,195	662,961	-	-	1,301,751	1,308,148	11,660	11,349	2,598,998	2,624,398	-	-	190,924	196,294	1,117,242	1,115,757	-	-	-	-	**5,883,770**	**5,918,907**	**35137**
केरल	1,203,892	1,198,574	-	-	140,604	142,702	2,282	2,192	94,824	94,765	-	-	6,357	6,517	396,351	400,463	-	-	-	-	**1,844,310**	**1,845,213**	**903**
कोलकता	228,567	227,382	-	-	221,822	222,732	2,517	2,396	366,772	372,637	-	-	12,417	12,365	617,737	625,906	-	-	-	-	**1,449,832**	**1,463,418**	**13586**
मध्य प्रदेश	306,618	305,617	-	-	611,714	615,230	5	5	102,132	102,867	-	-	50,392	55,822	1,043,562	1,068,019	-	-	-	-	**2,114,423**	**2,147,560**	**33137**
महाराष्ट्र	636,000	633,866	-	-	615,509	615,982	6,470	6,217	1,042,862	1,047,637	-	-	18,568	18,648	357,488	358,635	-	-	-	-	**2,676,897**	**2,680,985**	**4088**
मुंबई	2,162	2,162	822,659	808,487	635,175	634,717	30,310	30,038	2,622,809	2,651,560	-	-	185,416	184,898	1,031,256	1,031,751	-	-	-	-	**5,329,787**	**5,343,613**	**13826**
उत्तर-पूर्व	60,937	60,091	-	-	180	180	-	-	-	-	-	-	450	450	233,176	236,473	-	-	-	-	**294,743**	**297,194**	**2451**
ओड़ीशा	159,711	157,597	-	-	97,231	98,886	4	4	95,946	99,286	-	-	3,167	3,179	345,577	351,611	-	-	-	-	**701,636**	**710,563**	**8927**
पंजाब	557,465	563,328	-	-	417,201	422,636	1,499	1,498	60,490	60,452	337,128	334,953	1,090	1,060	445,533	449,231	51,344	58,115	-	-	**1,871,750**	**1,891,273**	**19523**
राजस्थान	295,747	296,170	-	-	353,334	358,002	3,056	2,955	84,982	84,742	-	-	10,215	9,915	556,369	565,989	-	-	-	-	**1,303,703**	**1,317,773**	**14070**
तमिलनाडु	971,772	971,918	-	-	1,068,794	1,078,477	8,954	9,010	786,372	788,141	-	-	29,225	28,225	1,014,760	1,019,415	-	-	-	-	**3,879,877**	**3,895,186**	**15309**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	140,905	141,493	-	-	353,905	355,547	29	39	50,718	52,068	-	-	16,142	16,172	723,196	733,041	-	-	-	-	**1,284,895**	**1,298,360**	**13465**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	213,328	214,574	-	-	242,538	243,041	7	7	25,653	25,564	-	-	3,202	3,177	821,865	834,130	-	-	-	-	**1,306,593**	**1,320,493**	**13900**
पश्चिम बंगाल	177,491	173,656	-	-	92,299	91,940	21	21	7,316	7,316	-	-	150	150	350,820	357,801	-	-	-	-	**628,097**	**630,884**	**2787**
कुल	**7,522,811**	**7,514,716**	**1,534,563**	**1,513,859**	**10,685,781**	**10,765,537**	**96,215**	**94,699**	**10,940,512**	**11,030,162**	**337,128**	**334,953**	**813,837**	**828,237**	**14,376,404**	**14,546,896**	**51,344**	**58,115**	**395,757**	**363,018**	**46,754,352**	**47,050,192**	**295840**
शुद्ध योग		**-8095**		**-20704**		**79756**		**-1516**		**89650**		**-2175**		**14400**		**170492**		**6771**		**-32739**		**295840**	
ग्रामीण ग्राहक	**2,197,011**	**2,203,313**	**22**	**24**	**3,128**	**132,167**	**300**	**300**	**1,417,044**	**1,419,836**	**165,172**	**164,530**	**-**	**-**	**951,132**	**966,708**	**-**	**-**	**239,168**	**221,165**	**4,972,977**	**5,108,043**	**135066**

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक-2

एल एस ए	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	
आन्ध्र प्रदेश	34,443,470	34,475,970	-	-	9,198,537	9,031,100	7,335,332	7,440,211			31,775,033	31,885,087	**82,752,372**	**82,832,368**	79996
असम	12,468,673	12,474,233			1,452,957	1,453,097	3,003,459	2,955,717			9,896,444	9,839,724	**26,821,533**	**26,722,771**	-98762
बिहार	41,248,348	41,235,059	-	-	7,685,423	7,574,000	5,661,772	5,654,203			43,490,955	43,721,379	**98,086,498**	**98,184,641**	98143
दिल्ली	19,214,168	19,289,107	2	2	16,598,440	16,498,393			139,399	137,855	20,279,084	20,362,063	**56,231,093**	**56,287,420**	56327
गुजरात	12,732,415	12,811,317	1	1	19,113,909	19,154,917	3,295,586	3,310,283			31,576,652	31,939,314	**66,718,563**	**67,215,832**	497269
हरियाणा	7,444,847	7,491,697	-	-	6,209,165	6,188,042	4,423,576	4,453,936			8,354,258	8,150,243	**26,431,846**	**26,283,918**	-147928
हिमाचल प्रदेश	3,623,693	3,607,810	-	-	385,878	383,831	1,759,107	1,771,470			3,361,093	3,363,770	**9,129,771**	**9,126,881**	-2890
जम्मू और कश्मीर	6,339,919	6,347,246	-	-	251,568	250,037	864,947	863,999			5,249,849	5,234,264	**12,706,283**	**12,695,546**	-10737
कर्नाटक	32,596,945	32,617,737	383	376	7,281,360	7,383,080	4,653,548	4,693,660			25,797,720	26,076,494	**70,329,956**	**70,771,347**	441391
केरल	9,235,215	9,260,175	3	3	12,741,962	12,744,559	8,931,766	8,958,276			10,939,431	10,980,116	**41,848,377**	**41,943,129**	94752
कोलकता	5,267,279	5,262,990	-	-	4,700,853	4,681,821	1,415,911	1,425,482			10,868,041	10,886,695	**22,252,084**	**22,256,988**	4904
मध्य प्रदेश	16,828,095	16,925,132	-	-	12,988,382	12,880,011	5,128,929	5,141,998			47,607,039	47,842,472	**82,552,445**	**82,789,613**	237168
महाराष्ट्र	23,144,905	23,311,773	-	-	20,496,736	20,565,441	5,310,770	5,338,162			43,377,448	43,257,600	**92,329,859**	**92,472,976**	143117
मुंबई	10,068,845	10,099,790	68	80	10,756,146	10,768,783			104,013	98,027	13,262,021	13,310,110	**34,191,093**	**34,276,790**	85697
उत्तर-पूर्व	6,462,922	6,477,368	-	-	613,933	609,261	1,284,548	1,294,812			4,418,467	4,424,098	**12,779,870**	**12,805,539**	25669
ओड़ीशा	12,030,483	12,020,240	-	-	1,487,341	1,490,368	5,530,388	5,532,821			16,933,690	17,093,395	**35,981,902**	**36,136,824**	154922
पंजाब	12,620,777	12,691,143	5	6	5,705,799	5,662,904	4,088,155	4,091,509			11,452,104	11,500,972	**33,866,840**	**33,946,534**	79694
राजस्थान	23,360,767	23,412,034	50	51	8,571,497	8,486,300	5,731,546	5,739,076			27,035,669	27,079,384	**64,699,529**	**64,716,845**	17316
तमिलनाइ	30,983,605	31,136,920	-	-	14,324,828	14,293,839	7,910,011	7,975,145			24,734,073	24,712,402	**77,952,517**	**78,118,306**	165789
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	35,979,827	36,115,229	-	-	15,744,055	15,729,073	8,403,483	8,449,052			43,828,277	43,662,554	**103,955,642**	**103,955,908**	266
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	18,981,227	19,147,937	-	-	13,458,556	13,119,911	5,171,874	5,222,783			25,124,205	25,292,780	**62,735,862**	**62,783,411**	47549
पश्चिम बंगाल	18,588,488	18,669,411	9	4	10,955,846	10,763,269	2,637,291	2,650,918			25,339,166	25,474,732	**57,520,800**	**57,558,334**	37534
कुल	**393,664,913**	**394,880,318**	**521**	**523**	**200,723,171**	**199,712,037**	**92,541,999**	**92,963,513**	**243,412**	**235,882**	**484,700,719**	**486,089,648**	**1,171,874,735**	**1,173,881,921**	**2007186**
शुद्ध योग		**1,215,405**		**2**		**-1011134**		**421514**		**-7530**		**1,388,929**		**2007186**	
ग्रामीण ग्राहक	193,351,401	194,180,221	-	-	95,037,487	93,828,848	30,694,390	30,843,346	2,914	2,881	212,793,762	213,200,816	**531,879,954**	**532,056,112**	**176158**

अनुलग्नक-3

नवंबर, 2025 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का एच एल आर के साथ अनुपात (प्रतिशत में)

एल एस ए	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल (सभी सेवा प्रदाताओं के लिए एक साथ)
आन्ध्र प्रदेश	97.13	64.14	93.89		-	89.01	**90.69**
असम	97.57	24.14	88.44		-	97.32	**88.86**
बिहार	90.01	35.90	86.41		-	99.80	**90.98**
दिल्ली	94.41		51.47	192.31	100.00	95.92	**82.61**
गुजरात	113.51	48.25	90.92		0.00	101.18	**98.00**
हरियाणा	103.74	27.44	92.78		-	105.68	**88.83**
हिमाचल प्रदेश	95.51	49.67	93.56		-	95.54	**86.54**
जम्मू और कश्मीर	84.88	58.90	82.48		-	79.84	**80.98**
कर्नाटक	97.40	66.86	68.90		100.00	94.93	**91.49**
केरल	102.80	114.90	93.03		-	94.39	**100.21**
कोलकता	101.69	92.21	85.67		-	99.47	**96.63**
मध्य प्रदेश	98.01	43.54	86.48		-	96.14	**91.75**
महाराष्ट्र	107.69	87.88	92.94		-	110.08	**104.38**
मुंबई	95.62		69.17	77.88	100.00	89.29	**84.80**
उत्तर-पूर्व	101.00	50.17	95.36		-	102.67	**96.17**
ओड़ीशा	101.26	44.11	86.22		-	93.76	**88.34**
पंजाब	111.56	41.88	91.46		100.00	101.66	**96.45**
राजस्थान	100.35	40.50	92.92		100.00	102.02	**94.77**
तमिलनाडु	96.60	87.44	79.48		-	98.30	**93.07**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	100.22	33.92	89.27		-	99.50	**92.87**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	103.49	37.59	90.92		-	98.17	**93.24**
पश्चिम बंगाल	94.23	76.43	88.33		100.00	93.23	**91.86**
कुल	**98.81**	**58.47**	**84.59**	**144.76**	**100.00**	**98.15**	**92.93**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-4

वायरलेस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः **(बी**=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक

बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका **72** घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5G FWA सब्सक्राइबर की संख्या **अनुलग्नक-5**

एल एस ए	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल	
	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25	अक्टूबर-25	नवंबर-25
आन्ध्र प्रदेश	235,361	257,548	628,014	649,908	863,375	907,456
असम	48,338	53,944	170,246	178,168	218,584	232,112
बिहार	107,879	123,880	595,045	621,699	702,924	745,579
दिल्ली	128,273	137,554	229,637	229,289	357,910	366,843
गुजरात	142,042	155,969	411,200	422,040	553,242	578,009
हरियाणा	68,274	74,090	211,262	216,664	279,536	290,754
हिमाचल प्रदेश	11,834	13,104	69,786	72,734	81,620	85,838
जम्मू और कश्मीर	42,175	46,975	162,516	167,716	204,691	214,691
कर्नाटक	221,813	242,390	385,631	393,430	607,444	635,820
केरल	47,624	52,925	158,936	167,426	206,560	220,351
कोलकता	75,003	80,459	158,927	159,893	233,930	240,352
मध्य प्रदेश	107,595	119,531	500,184	518,163	607,779	637,694
महाराष्ट्र	217,618	238,637	572,801	590,209	790,419	828,846
मुंबई	85,839	92,678	100,625	102,937	186,464	195,615
उत्तर-पूर्व	26,453	29,534	80,032	82,420	106,485	111,954
ओड़ीशा	56,595	62,951	259,012	273,291	315,607	336,242
पंजाब	117,678	128,737	454,094	466,746	571,772	595,483
राजस्थान	148,985	163,034	417,140	432,040	566,125	595,074
तमिलनाडु	305,779	336,051	347,520	355,938	653,299	691,989
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	142,066	157,801	614,919	638,577	756,985	796,378
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	112,806	124,512	479,234	494,597	592,040	619,109
पश्चिम बंगाल	64,758	73,579	389,107	412,257	453,865	485,836
कुल	**2,514,788**	**2,765,883**	**7,395,868**	**7,646,142**	**9,910,656**	**10,412,025**
शुद्ध योग		**251,095**		**250,274**		**501,369**
मासिक वृद्धि%		**9.98%**		**3.38%**		**5.06%**

अनुलग्नक-6

यूबीआर एफडब्ल्यूए सब्सक्राइबर बेस

सेवा प्रदाता →	रिलायंस जियो *	
↓एल एस ए	अक्टूबर-25	नवंबर-25
आंध्र प्रदेश	222,266	253,677
असम	23,244	26,064
बिहार	189,771	214,052
दिल्ली	194,571	218,156
गुजरात	197,488	221,105
हरियाणा	130,192	145,809
हिमाचल प्रदेश	7,007	8,012
जम्मू और कश्मीर	54,076	61,571
कर्नाटक	169,096	191,937
केरल	7,657	8,290
कोलकाता	120,661	136,949
मध्य प्रदेश	161,513	183,781
महाराष्ट्र	233,554	263,210
मुंबई	43,040	47,006
उत्तर पूर्व	9,932	11,158
ओडिशा	36,246	41,164
पंजाब	173,244	192,084
राजस्थान	203,819	227,735
तमिलनाडु	125,358	138,298
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	199,506	221,955
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	246,608	277,550
पश्चिम बंगाल	86,657	97,700
कुल	**2,835,506**	**3,187,263**
नेट एडिशन		**351,757**
मासिक वृद्धि %		**12.41%**

* केवल रिलायंस जियो ने एफडब्ल्यूए-यूबीआर सब्सक्राइबर बेस की सूचना दी है